मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 152 ■ मंगलवार 2 सितंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play · Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel · Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

सरिता खानचंदानी ने लिखा था सुसाइड नोट -पति

■ सीसीटीवी फुटेज में सुसाइड नोट की बात सामने आई
■ एड. पुरुषोत्तम खानचंदानी का एक और बयान
■ मोबाइल फ़ोन मिल चुका
■ पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों को दी गयी

उल्हासनगर. हिराली फाउंडेशन प्रमुख एड. सरिता खानचंदानी द्वारा 28 अगस्त को 7वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या करने का मामला अब और भी गंभीर हो गया है। इस मामले में एक नया तथ्य सामने आया है जिसमें उनके पति एड. पुरुषोत्तम खानचंदानी ने एक बयान देकर कहा है कि आत्महत्या करने से पहले सरिता खानचंदानी ने सुसाइड नोट लिखा था।

सुप्रसिद्ध समाज सेविका सरिता खानचंदानी की आत्महत्या प्रकरण ने शहर को झंझोर कर रख दिया है। इस निडर समाजसेवी द्वारा की गई आत्महत्या की बात किसी के गले से नहीं उतर रही। सरिता खानचंदानी के पति एड. पुरुषोत्तम खानचंदानी ने 29 अगस्त को पत्रकार परिषद में यह कहा था कि यह आत्महत्या नहीं हत्या है और इसके पीछे राजनीतिक पक्ष के लोग शामिल हैं। ऐसे में कल 1 सितंबर को उन्होंने फिर एक बयान दिया है जिसमें उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा राजनीतिक दबाव में आकर गलत जानकारीयां मीडिया में दी जा रही है। 30 अगस्त को सरिता खानचंदानी की पगड़ी रस्म पुरी होने के बाद शाम को अपने कार्यालय में सीसीटीवी फुटेज परिवार द्वारा जांच करने पर पता चला कि वो एक पत्र लिख रही थी जो उनका सुसाइड नोट था और जो मोबाइल फोन उक्त समय नहीं मिला था, वो भी उन्हें मिल चुका है जो कि इस प्रकरण में अहम सुराग है।

■ पूरे प्रकरण की जांच करके दोषी पर कार्रवाई हो

■ उन्होंने कहा कि उन्हें स्थानीय पुलिस विभाग पर विश्वास नहीं रहा इसलिये उक्त जानकारी उन्होंने पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों को दी गयी है और निवेदन किया कि पुरे प्रकरण की जांच करके दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई करें जो खुलेआम घूम रहे है। ऐसा कहकर उन्होंने न्याय की गुहार लगाई है।

■ अब उस सुसाईड नोट में सरिता खानचंदानी ने क्या लिखा है और मोबाइल में कौनसे सुराग इस प्रकरण में सामने आएंगे यह तो अब पुलिस की जांच का विषय है। फिलहाल अब क्या सुसाइड नोट में जिनके नाम हैं क्या उन पर कार्रवाई होगी यह तो समय ही बताएगा।

संपत्ति सर्वेक्षण पर प्रश्नचिह्न

■ नागरिकों के साथ एक तरह की धोखाधड़ी
■ मनसे का आरोप

उल्हासनगर. मनपा द्वारा संपत्ति सर्वेक्षण के नाम पर करोड़ों रुपये बर्बाद करके आम नागरिकों के साथ एक तरह की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एक निजी कंपनी, कोलब्रो को करोड़ों रुपये का भुगतान करने के बावजूद, बिना किसी जमीनी स्तर पर काम किए, सर्वेक्षण केवल कागजों पर ही पूरा किया गया। ऐसी कंपनियों को ब्लैकलिस्ट करने की बजाय उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए मनसे ने कड़ी आलोचना की है।

उल्हासनगर मनपा ने शहर में संपत्तियों के सर्वेक्षण का काम कोलब्रो को सौंपा था. प्रत्येक संपत्ति के लिए 1,500 रुपये की भारी-भरकम राशि दी गई थी. लेकिन यह कंपनी मैदान में उतरी ही नहीं, ऐसा मनसे जिला अध्यक्ष बंडू देशमुख ने आरोप लगाया। बिना कोई काम किए, वे बस उल्हासनगर महानगरपालिका कार्यालय में बैठे रहे और कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से सर्वेक्षण पूरा हो गया. इसके लिए मनसे ने बार-बार सर्वेक्षण का विरोध किया।

कभी कोलब्रो, कभी मनपा कर्मचारी, अब 'मेक माई इंडिया', मनपा लगातार विभिन्न माध्यमों से सर्वेक्षण के नाम पर लोगों को नागरिकों के घर भेज रही है, ऐसा आरोप मनसे जिला अध्यक्ष बंडू देशमुख, शहर अध्यक्ष संजय घुगे, सचिन बेंडके, रवि पाल, मुकेश सेठपलानी, अनिल गोधड़े और अन्य मनसे पदाधिकारियों ने लगाया।

मनपा के लापरवाह प्रबंधन का असर उल्हासनगर निवासियों की जेब पर पड़ रहा है। इस पृष्ठभूमि में, नागरिक प्रशासन से बेहद नाराज हैं। मनसे द्वारा उठाए गए सवालों ने मामले की गहन जांच करना अत्यंत जरूरी है। शर्त यह थी कि कोलब्रो कंपनी मैपिंग उपलब्ध कराए। हालाँकि, वह भी प्रदान नहीं किया गया। फिर भी, इस बात पर गहरा संदेह व्यक्त किया जा रहा है कि बिल को कैसे मंजूरी दी गई। मनसे जिला अध्यक्ष बंडू देशमुख का कहना है कि टेंडर की शर्तों का पालन न करने वाली कंपनी को इतना बड़ा बिल देना सीधे तौर पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देना है।

अवैध गालों पर नहीं, केवल शटरों पर कार्रवाई!

■ उल्हासनगर मनपा की कार्रवाई से स्थानीय लोग नाराज़

उल्हासनगर. उल्हासनगर के कैंप क्रमांक 3 में बनीं अनाधिकृत गाले एक बार फिर चर्चा में हैं। नागरिकों की शिकायत पर मनपा के बेदखली विभाग ने कार्रवाई तो की, लेकिन स्थानीय लोगों में गहरी नाराजगी है क्योंकि यह कार्रवाई सिर्फ़ शटरों तक ही सीमित रही। अवैध गाले कब तोड़े जाएँगे? यह सवाल उठ रहा है। निवासी सीधे तौर पर प्रशासन पर 'आधा-अधूरा काम' करने का आरोप लगा रहे हैं।

उल्हासनगर के कैंप क्रमांक 3 में अनिल अशोक सिनेमा के पीछे वाली सड़क पर एक व्यक्ति ने पाँच अनाधिकृत गाले बना लिए थे। पिछले हफ़्ते नागरिकों ने इस मामले की वार्ड समिति क्रमांक 3 के कार्यालय में व्यापक शिकायत की थी। तदनुसार, वार्ड समिति क्रमांक 3 के बेदखली विभाग ने कार्रवाई करते हुए गालों के शटर हटा दिए।

हालाँकि, इस कार्रवाई के बाद नागरिकों ने कड़ी नाराजगी जताई है। 'शटर हटाना सिर्फ़ औपचारिकता है; स्थानीय लोगों का कहना है, 'अगर गाले खड़े रहे, तो यह कार्रवाई दिखावटी हो जाएगी।' दरअसल, नागरिकों की माँग है कि पूरे गालों को ध्वस्त करके ही इन अनधिकृत निर्माणों को रोका जा सकता है।

नागरिकों की उम्मीदों और नाराज़गी को देखते हुए, अब सबका ध्यान इस बात पर केंद्रित है कि क्या नगर निगम प्रशासन वाकई इन अनधिकृत झुग्गियों को गिराएगा।

अंबरनाथ प्रभाग रचना पर 102 आब्जेक्शन

■ आब्जेक्शन पर सुनवाई हुई

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद प्रभाग रचना पर 102 आब्जेक्शन आए हैं. 31 अगस्त आब्जेक्शन लेने की आखिरी तारीख थी. एक सितंबर को उसकी सुनवाई पूरी कर ली गई है. ऐसी जानकारी हमें प्रशासक तथा मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ ने दी है. एक सितंबर 2025 सोमवार को आब्जेक्शन लेने वालों की भीड़ देखी गई.

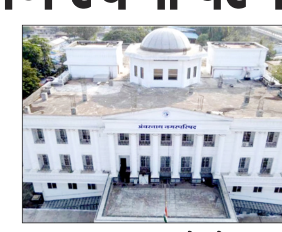

विदित हो कि अंबरनाथ नगर पालिका चुनाव के लिए प्रभाग रचना 18 अगस्त को घोषणा की गई थी. कुल 29 प्रभाग के लिए 59 नगर सेवक होंगे. 28 प्रभाग दो सदस्य और एक प्रभाग तीन सदस्य का बनाया गया है. प्रभाग क्र. 13 में अंबरनाथ पश्चिम स्टेशन परिसर, स्वामी नगर और के बी मुख्य महामार्ग को क्रास करके शिवनगर परिसर को रखा गया है. इस प्रभाग रचना पर आब्जेक्शन लिया गया है.

अब सुनवाई के बाद ये पता चलेगा कि प्रभाग रचना में बदल किया जाता है या नहीं. सुनवाई के बाद अगर किसी प्रभाग रचना में बदलाव होता है तो दोबारा प्रभाग रचना घोषित होगी. जानकारों का कहना है कि एक बार प्रभाग रचना की घोषणा करने के बाद रचना में बदलाव नहीं के बराबर किया जाता है. कुछ पक्ष के नेता एवं इच्छुक उम्मीदवार प्रभाग रचना को लेकर नाराज दिखाई दिए. शहर पश्चिम में 15 प्रभाग के लिए 31 नगरसेवक एवं शहर पूर्व में 14 प्रभाग से 28 नगरसेवक, इस तरह कुल 59 नगरसेवक चुन कर नगरपालिका में जाएंगे.

लिफ्ट गिरने से 4 लोग गंभीर घायल

कल्याण. कल्याण की एक इमारत में लिफ्ट गिरने से चार लोग घायल हो गए। यह हादसा रविवार देर रात गांधारी इलाके में स्थित एक आठ मंजिला इमारत में हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक, लिफ्ट में खराबी आ गई और वह छठी मंजिल से अचानक नीचे गिर गई। लिफ्ट में कुल आठ लोग सवार थे, जिनमें से चार घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय निवासियों ने बताया कि लिफ्ट पिछले कुछ महीनों से ठीक से काम नहीं कर रही थी और इस बारे में हाउसिंग सोसायटी प्रबंधन को कई बार बताया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

फर्जी ऐप के जरिए 6 लाख की ठगी

■ बदलापुर और अंबरनाथ में 2 मामले दर्ज

बदलापुर. व्हाट्सएप पर फर्जी ऐप के लिंक भेजकर छह लाख की ठगी का मामला सामने आया है। अंबरनाथ और बदलापुर दोनों शहरों में एक-एक मामला दर्ज किया गया है।

अंबरनाथ पूर्व में रहने वाले एक व्यक्ति को अपने कार्यालय में रहते हुए अपने मोबाइल नंबर पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के लोगो वाला एक व्हाट्सएप मैसेज आया। इसमें बैंक का ऐप एक्टिवेट करने के लिए कहा गया। इसके बाद उनके खाते से 4 लाख 98 हजार 993 रुपये निकाल लिए गए। जब उन्होंने बैंक में पूछताछ की, तो पता चला कि उनके मोबाइल पर आया ऐप फर्जी था। इसके बाद शिकायतकर्ता पुलिस स्टेशन पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

बदलापुर में एक अन्य मामले में, शिकायतकर्ता के मोबाइल पर परिवहन विभाग का एक चालान आया। उसके ज़रिए गूगल पे के ज़रिए व्यक्ति के खाते से 1 लाख 89 हज़ार रुपये ट्रांसफर कर लिए गए। जब उसे ठगी का अहसास हुआ, तो उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में आरोपी राजा राम, शाहबाज़ खान और दीपक कुमार शॉ के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

इन दोनों मामलों के बाद, पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी से सतर्क रहने की अपील की है। फर्जी व्हाट्सएप लिंक और फर्जी अकाउंट के जरिए नागरिकों को ठगा जा रहा है। हालांकि, पुलिस ने ऐसे मामलों में सतर्क रहने की अपील की है।

उल्हासनगर की महिला ने लौटाए 8 तोले सोने के गहने

■ बदलापुर लोकल ट्रेन में भूली थी महिला

उल्हासनगर. विक्रोली की एक महिला यात्री रविवार सुबह बदलापुर लोकल ट्रेन में अपना ढाई लाख रुपये से ज़्यादा के सोने के गहनों से भरा बैग भूल गई। कल्याण रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद उसे एहसास हुआ कि वह सोने के गहनों से भरा बैग लोकल ट्रेन में ही भूल गई है। उल्हासनगर की एक महिला ने भूला हुआ बैग अपने कब्जे में लेकर बदलापुर रेलवे पुलिस को सौंप दिया। कल्याण रेलवे पुलिस ने विक्रोली की महिला का बैग सोने के गहनों सहित उसे लौटा दिया।

कल्याण रेलवे पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पंढरी कांडे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, विक्रोली के गोदरेज हिल साइड कॉलोनी इलाके की निवासी देवयानी अमित कुलकर्णी कल्याण में अपने रिश्तेदारों के पास आ रही थीं। देवयानी ने रविवार सुबह 10:15 बजे कल्याण स्टेशन पर उतरी. उतरने के बाद, उसे एहसास हुआ कि वह अपना 80 ग्राम सोने के गहनों वाला बैग बदलापुर लोकल ट्रेन में ही भूल गई है। देवयानी कुलकर्णी ने इस मामले में कल्याण लोहमार्ग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

इसी बीच, उल्हासनगर के कैंप 5 स्थित सम्राट कॉलोनी नेहरू नगर इलाके में रहने वाली महिला विजया देवराम कदम बदलापुर रेलवे स्टेशन स्थित पुलिस चौकी पर आईं। उन्होंने बताया कि उन्हें बदलापुर लोकल में एक अज्ञात महिला का भूला हुआ बैग मिला था और उन्होंने उसे बदलापुर रेलवे स्टेशन पर तैनात महिला सहायक पुलिस उपनिरीक्षक धुर्वे को सौंप दिया। धुर्वे ने तुरंत इसकी जानकारी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कांडे को दी। इसके बाद, देवयानी कुलकर्णी को लोहमार्ग पुलिस स्टेशन बुलाया गया और उन्हें सोने के आभूषणों से भरा बैग सौंप दिया गया।

महिला पुलिस कांस्टेबल ने इमारत से छलांग लगा कर दे दी जान

बदलापुर. महाराष्ट्र पुलिस बल में कार्यरत एक महिला पुलिस कांस्टेबल ने आत्महत्या कर ली है। ड्यूटी से घर लौटने के बाद महिला ने तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी और उसकी मौत हो गई। यह घटना 29 अगस्त को बदलापुर पश्चिम में हुई। महिला पुलिस कांस्टेबल का नाम श्रावणी वारिंगे (उम्र 36) है। वह बदलापुर पश्चिम में रहती थीं।

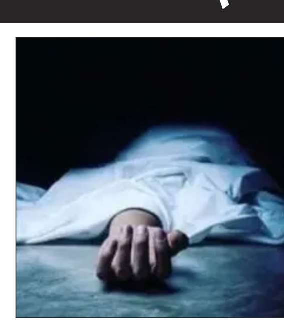

वेदांत नक्षत्र बिल्डिंग में रहने वाली श्रावणी ने तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, श्रावणी वारिंगे 29 अगस्त को ड्यूटी पर गई थीं। वह रात में घर लौटीं। घर लौटने के कुछ समय बाद, उन्होंने तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। उनकी मौत हो गई। बिल्डिंग में मौजूद लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, श्रावणी वारिंगे के परिवार में विवाद चल रहा था। पारिवारिक कलह के कारण वह अवसादग्रस्त थी। वह पिछले कुछ समय से तनाव में थी। अवसाद के कारण उसने 29 अगस्त को इमारत से कूदकर आत्महत्या कर ली।

विसर्जन जुलूसों में कानफोड़ू सिलेंडर वादन से लोग परेशान

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली मनपा प्रशासन, पुलिस प्रशासन ने कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र के गणेश भक्तों से ध्वनि प्रदूषण मुक्त, डीजे-मुक्त गणेशोत्सव मनाने की अपील की है। ऐसे में, कुछ गणेश भक्त प्रशासन के आदेशों की परवाह किए बिना, गणपति विसर्जन जुलूसों में संगीत के लिए डीजे के साथ-साथ दो सिलेंडर टंकियों का उपयोग कर रहे हैं। हथौड़े से पीटकर बजाए जाने वाले सिलेंडर की कानफोड़ू आवाज से गणेश भक्त, ड्यूटी पर तैनात पुलिस, यातायात पुलिस परेशान हैं।

पिछले कई वर्षों से, कल्याण, डोंबिवली मनपा क्षेत्र में गणपति विसर्जन जुलूस निकालने के लिए पुणे, नासिक, मालेगांव, कोल्हापुर, सांगली, सतारा, अहिल्यानगर क्षेत्रों से ढोल टोलियाँ आती रही हैं। इस टोली द्वारा पारंपरिक वाद्य यंत्र बजाए जाते हैं। गणपति के आगमन से लेकर अनंत चतुर्दशी तक ये टोलियाँ कल्याण, डोंबिवली क्षेत्र में ग्यारह दिनों तक आश्रयों, फुटपाथों और झोपड़ियों में रहती हैं। चूँकि यह पैसा कमाने का मौसम है, इसलिए वे किसी तरह गणपति विसर्जन जुलूसों में शामिल होते हैं।

कुछ बैंड संचालक अपने बैंड में एक गाड़ी पर सिलेंडर टैंक जैसी दो लोहे की टंकियाँ लटकाकर हथौड़े से मार रहे हैं। चूँकि इन लोहे की सिलेंडर टंकियों से बहरा कर देने वाली और कर्णभेदी ध्वनि निकलती है, इसलिए नागरिकों को ऐसा लगता है जैसे उनके कान के पर्दे फट जाएँगे, कई नागरिकों ने ऐसी शिकायत की है। जब ये ऑर्केस्ट्रा अस्पतालों, बाल चिकित्सालयों और वृद्धाश्रमों के पास से गुजरते हैं, तो मरीज़ों को परेशानी होती है। नागरिक यह भी माँग कर रहे हैं कि मनपा और पुलिस प्रशासन यह सुनिश्चित करने की पहल करे कि ऑर्केस्ट्रा में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक अनावश्यक वाद्य यंत्र न बजाए जाएँ।

आयरे स्थित समर्थ कॉम्प्लेक्स पर जल्द होगी कार्रवाई

■ डोंबिवली की 65 अवैध इमारतों में शामिल है बिल्डिंग

कल्याण. बॉम्बे हाईकोर्ट ने दस महीने पहले दो बार आयरे गाँव की सीमा के अंतर्गत टावरीपाड़ा स्थित अवैध इमारत समर्थ कॉम्प्लेक्स पर कार्रवाई करने का आदेश दिया था, जो डोंबिवली में महारेरा की 65 अवैध इमारतों की सूची में शामिल है। पिछले नौ महीनों में, महानगरपालिका द्वारा इस अवैध इमारत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। चूँकि इस इमारत के संबंध में न्यायालय का आदेश है, इसलिए महानगरपालिका के सी वार्ड के सहायक आयुक्त भरत पवार ने वरिष्ठों से मार्गदर्शन, पुलिस अधिकारियों से चर्चा और इस अवैध इमारत के निवासियों की राय जानने के बाद इस इमारत पर कार्रवाई करने की योजना बनाई है।

आयरे गाँव की सीमा के अंतर्गत टावरीपाड़ा स्थित समर्थ कॉम्प्लेक्स एक सात मंजिला अवैध इमारत है। इस अवैध इमारत का निर्माण भू-माफियाओं ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर किया था। यह इमारत महारेरा की 65 अवैध इमारतों की सूची में शामिल है।

मनपा के नगर नियोजक प्रसाद सखदेव ने तीन साल पहले रामनगर थाने में दर्ज एक मामले में समर्थ डेवलपर्स के साझेदारों सखाराम मांगल्य केने, अक्षय अशोक सोलकर और मेसर्स वास्तु रचना के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया है। समर्थ कॉम्प्लेक्स भवन की जमीन बबन केने के भाइयों, सखाराम केने और अन्य की है। इस भवन का निर्माण करते समय, राजस्व अधिकारियों का हाथ पकड़कर, अन्य भाइयों द्वारा बबन केने और उनके उत्तराधिकारियों के नाम सात बारा उतरा से हटा दिए गए थे।

बबन केने ने उच्च न्यायालय में मुकदमा दायर किया क्योंकि भवन निर्माण के दौरान उन्हें विश्वास में नहीं लिया गया था। न्यायालय ने जमीन को ध्वस्त करने का आदेश दिया क्योंकि समर्थ कॉम्प्लेक्स भवन का निर्माण फर्जी दस्तावेजों के आधार पर और मूल उत्तराधिकारियों के अधिकारों की अनदेखी करके किया गया था।

इस भवन के निवासियों के विरोध को देखते हुए पिछले अधिकारियों ने इस अवैध भवन के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। बिना किसी कारण के आक्रामक तरीके से अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने वाली एफ वार्ड की सहायक आयुक्त हेमा मुंबरकर जब सी वार्ड की प्रभारी थीं, तब उन्होंने इस इमारत को गिराने की योजना बनाई थी। लेकिन उनकी जगह सी वार्ड में सहायक आयुक्त के रूप में भरत पवार आ गए। पवार अवैध निर्माणों के एक प्रमुख अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। पवार ने भविष्य में मुंबरकर द्वारा बनाई गई योजनाओं को सख्ती से लागू करने की तैयारी कर ली है।

चूँकि न्यायालय में इस आदेश का पालन नहीं किया गया, इसलिए यदि भूस्वामी, जो कि केस 65 में याचिकाकर्ता है, द्वारा अवमानना याचिका दायर की जाती है, तो यह परेशानी का सबब बन सकता है, इसलिए सहायक आयुक्त पवार ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों, पुलिस और निवासियों से चर्चा करने के बाद समर्थ कॉम्प्लेक्स इमारत को गिराने की गतिविधियाँ शुरू कर दी हैं।

आयुक्त का निर्णय सकारात्मक

आयरे स्थित समर्थ कॉम्प्लेक्स को गिराने का उच्च न्यायालय दो बार आदेश दे चुका है। इसलिए, वरिष्ठ अधिकारियों, पुलिस और निवासियों से चर्चा करने के बाद इस इमारत को गिराने की योजना बनाई जा रही है।

– **भरत पवार,**
सहायक आयुक्त, सी वार्ड।

सेक्रेड हार्ट स्कूल की छात्रा ने जीता गोल्ड

■ सौम्या ने उठाया 177 किलोग्राम भार

कल्याण. कल्याण के पास वरप गांव में स्थित सुप्रसिद्ध सेक्रेड हार्ट स्कूल की छात्रा सौम्या दलवी ने कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैम्पियनशिप 2025 में महिला 48 वजन जूनियर की स्पर्धा में गोल्ड हासिल कर भारत का नाम रोशन किया है।

सौम्या ने कुल 177 किलोग्राम भार उठाया, जिसमें स्नैच में 76 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 101 किलोग्राम शामिल थे। इस उल्लेखनीय उपलब्धि को हासिल करने के लिए, सौम्या ने 177 किलोग्राम भार उठाया।

ज्ञात हो कि सेक्रेट हार्ट स्कूल द्वारा इस तरह से अपने छात्रों को विश्वस्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए तैयार किया जाता है ताकि वो देश का नाम रोशन करें।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

जीएसटी की अगली बैठक में क्या!

माना जाता है कि राजधानी होने के नाते दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की मौजूदगी का प्रभाव देश के अन्य हिस्सों से बेहतर स्थिति में होगा। मगर दिल्ली के कालकाजी इलाके में महज प्रसाद देने के मुद्दे पर कुछ लोगों ने जिस तरह वहां मंदिर के एक सेवादार की बर्बरता से पीट-पीट कर जान ले ली, उससे एक बार फिर यही पता चलता है कि कुछ लोगों में न तो संवेदनशीलता बची है और न शायद उनके भीतर इस बात का डर है कि वे जिस अपराध को अंजाम दे रहे हैं, उसके बदले उनकी जिंदगी जेल की सलाखों के भीतर कट सकती है।

गौरतलब है कि शुक्रवार की रात मंदिर में आए कुछ लोगों ने प्रसाद देने जैसी बहुत साधारण-सी बात पर सेवादार की लाठी-डंडों से इतनी पिटाई की कि उसकी जान चली गई। स्थानीय लोगों ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एकबारगी इस बात पर हैरानी होती है कि इतनी मामूली बात पर किसी की हत्या तक कर डालने की हिम्मत कुछ लोगों के भीतर कैसे चली आती है। निश्चित रूप से यह कानून-व्यवस्था की नाकामी का नतीजा है, जिसमें आपराधिक मानस वाले लोगों में पुलिस का कोई खौफ नहीं दिखता। यह स्थिति तब है जब दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था बहुस्तरीय चौकसी के तहत संचालित होती है।

एक जटिल और महत्त्वपूर्ण बिंदु यह है कि लोगों के भीतर एक विचित्र किस्म का उतावलापन और विवेकहीनता भर रही है, जिसमें वे किसी बेहद मामूली बात पर आपा खो देते हैं और यहां तक कि किसी की हत्या करने तक में उन्हें कोई हिचक नहीं होती। समाज में पनप और पल-बढ़ रही इस मानसिक विकृति के उदाहरण अक्सर देखने को मिल रहे हैं, जिनमें बहुत छोटी और आमतौर पर अनदेखी कर दी जाने वाली बातों पर भी नाहक ही गुस्से से भर कर दो लोग आपस में उलझ जाते हैं, उनके साथ के लोग भी उसमें शामिल हो जाते हैं और फिर उसमें जो ताकतवर होता है वह दूसरे पक्ष के किसी व्यक्ति की हत्या तक कर देने से नहीं हिचकता। यहां न तो विवेक की उपस्थिति दिखती है और न ही पुलिस या कानून का डर। सवाल है कि इस तरह की असहिष्णु मनःस्थिति में पहुंच चुके लोग समाज और देश के सामने किस तरह की चुनौती खड़ी कर रहे हैं और इस स्थिति में सुधार लाना किसकी जिम्मेदारी है।

एनसीईआरटी की पहल पर आपत्ति क्यों?

इतिहास की घटनाएं वर्तमान को दिशा देती हैं और वर्तमान उनसे सबक लेकर भविष्य की सुदृढ़ नींव रखता है। दुर्भाग्य से हमारे विद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले इतिहास और पाठ्यपुस्तकों में घटनाओं और तथ्यों को प्रायः यथार्थ से काटकर मिथ्या आदर्शों, भावुक नारों और दलगत पूर्वाग्रहों के आधार पर प्रस्तुत किया गया। जब भी इतिहास को प्रामाणिक और वस्तुपरक ढंग से लिखने या पढ़ाने का प्रयास हुआ, उसे अनावश्यक विवाद और शोर-शराबे का सामना करना पड़ा।

सुधारों की इसी पृष्ठभूमि में एनसीईआरटी ने विभाजन की विभीषिका और उससे उपजी त्रासदी को निष्पक्ष दृष्टि से समझाने के उद्देश्य से कक्षा 6 से 8 और 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए दो विशेष पूरक शैक्षिक माड्यूल जारी किए हैं। इन्हें अनिवार्य पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया जाएगा, बल्कि चर्चा के माध्यम से तत्कालीन परिस्थितियों की सूक्ष्म और गहन समझ विकसित की जाएगी। इन माड्यूल में मोहम्मद अली जिन्ना, लार्ड माउंटबेटन और कांग्रेस को विभाजन का जिम्मेदार बताया गया है। कौन नहीं जानता कि जिन्ना की अंधी महत्वाकांक्षा, पद-लोलुपता और पृथक पहचान की राजनीति ने भारतीय मुसलमानों में पनप रही सांप्रदायिक भावना को भड़काने में निर्णायक भूमिका निभाई।

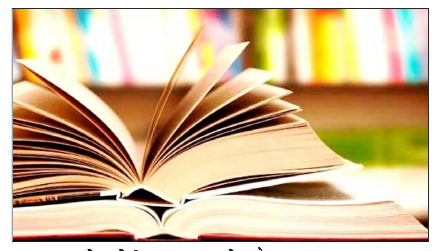

विभाजनकारी राजनीति के बीज पहले से ही सर सैयद अहमद खान, मोहम्मद इकबाल, चौधरी रहमत अली, मोहम्मद इस्माइल जैसे नेताओं की सोच में मौजूद थे। उनका सोच उस राजनीतिक इस्लाम से पोषित था, जो गैर-मुसलमानों के साथ स्थायी या समान संबंध की संभावना को सिद्धांततः नकारता था। इनका मानना था कि जिस इस्लाम की सदियों तक भारत में हुकूमत रही हो, उसे मानने वाले मुसलमान बहुसंख्यक आबादी वाले पंथनिरपेक्ष भारत में कैसे रह सकेंगे?

20वीं शताब्दी के प्रारंभिक वर्षों में मुसलमान नेताओं के लिए पृथक देश की मांग के छिटपुट स्वर ही सुनाई पड़ते थे, किंतु मार्च 1940 के लाहौर प्रस्ताव के बाद मुस्लिम लीग के नेतृत्व में विभाजन की मांग को व्यापक जनसमर्थन मिलने लगा। 16 अगस्त 1946 को जिन्ना द्वारा घोषित 'डायरेक्ट एक्शन डे' ने विभाजन की दिशा लगभग तय कर दी। केवल कलकत्ता (कोलकाता) में ही कई हजार लोग मारे गए, जबकि नोआखाली (बंगाल) में 10 अक्टूबर 1946 को गुलाम सरवर हुसैनी के नेतृत्व में निर्दोष-निःशस्त्र हिंदुओं का पूर्व नियोजित नरसंहार हुआ। उस समय बंगाल में मुस्लिम लीग की अंतरिम सरकार थी और हुसैन सुहरावर्दी मुख्यमंत्री पद पर आसीन थे।

नोआखाली का नरसंहार किसी आकस्मिक उन्माद का परिणाम नहीं, बल्कि एक सुनियोजित षड्यंत्र था। जिन्ना और मुस्लिम लीग की धमकी-बंटा भारत या बर्बाद भारत' के समक्ष तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व ने घुटने से टेक दिए। जिन्ना मुसलमानों के बड़े तबके को यह विश्वास दिलाने में सफल रहे कि मत-मजहब, संस्कृति, रीति-रिवाज, इतिहास और जीवन-दृष्टि जैसे सभी आधारों पर वे हिंदुओं से स्थायी रूप से भिन्न हैं। यही कारण था कि 1946 के संविधान-सभा के चुनाव में मुस्लिम लीग ने मुसलमानों के लिए आरक्षित 78 में से 73 सीटों पर विजय प्राप्त की।

मुस्लिम लीग को मद्रास, बांबे प्रेसीडेंसी और उड़ीसा में करीब सौ प्रतिशत, बंगाल में 95 प्रतिशत, मध्य भारत में 93 प्रतिशत, असम में 91 प्रतिशत, अविभाजित पंजाब में 86 प्रतिशत, बिहार में 85 प्रतिशत और संयुक्त प्रांत में 82 प्रतिशत सीटें प्राप्त हुईं। जिन तमाम मुसलमानों ने मजहब के आधार पर पृथक देश की मांग का समर्थन किया, उनमें से बड़ी संख्या में विभाजन के बाद भी भारत में ही रह गए, जबकि पाकिस्तान से भारत आए लगभग डेढ़ करोड़ हिंदू, सिख और सिंधी अपने ही देश में शरणार्थी बनकर दर-दर भटकते रहे।

विभाजन से उपजी हिंसा में लगभग दस लाख से अधिक निर्दोष लोग मारे गए, लाखों परिवार अपने पुरखों की जमीन-जायदाद से उजाड़ दिए गए और माताओं-बहनों के विरुद्ध हुए अत्याचारों ने पाशविकता और अमानुषिकता की सारी सीमाएं पार कर दीं। मानव इतिहास का यह सबसे बड़ा विस्थापन किसी प्राकृतिक आपदा या बाहरी आक्रमण से नहीं हुआ। इसके लिए अपने ही लोग मुख्य रूप से जिम्मेदार थे।

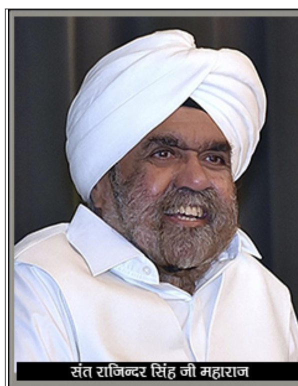

यह आवश्यक है कि हम स्वयं अध्यात्म का व्यक्तिगत अनुभव प्राप्त करें। ऐसा तब हो सकता है जब हम ध्यानाभ्यास में बैठें।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

अमेरिकी शुल्क को निष्प्रभावी करने की कोशिश

शुल्क संघर्ष बढ़ने के बीच भारत और जापान ने अपने विशेष रणनीतिक एवं विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ़ करने के वास्ते अगले दस वर्षों के लिए साझेदारी का एक नया खाका तैयार किया है। इसमें रक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा, दूरसंचार, दवा, महत्त्वपूर्ण खनिज, उभरती प्रौद्योगिकी और आर्थिक सुरक्षा ढांचा शामिल हैं। इसके तहत कई द्विपक्षीय समझौते हुए हैं, जिनमें न केवल साझा हित निहित हैं, बल्कि वैश्विक कारोबार में भी दोनों देशों की साख मजबूत होगी।

खासकर, अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए पचास फीसद शुल्क से निपटने के उपायों की तलाश के बीच जापान से यह साझेदारी और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। भारत व्यापार के वैकल्पिक रास्ते खोजने में जुटा है और जापान के साथ समझौतों को इसी कड़ी का एक हिस्सा माना जा रहा है। अमेरिका की शुल्क नीति से जापान भी अछूता नहीं है और ऐसे में वह भी भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है। अमेरिकी शुल्क को निष्प्रभावी करने की कोशिशों के तहत भारत ने चालीस देशों के साथ व्यापारिक संवाद का अभियान शुरू किया है। जापान भी उनमें से एक है। विभिन्न समझौतों के तहत जापान ने भारत में एक दशक के भीतर दस हजार अरब येन (करीब 60,000 करोड़ रुपए) के निवेश का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच आपसी कामगारों को एक-दूसरे के यहां आसानी से आने-जाने एवं काम करने का मौका देने को लेकर भी एक कार्ययोजना बनी है। माना जा रहा है कि इससे पांच लाख भारतीय प्रशिक्षित कामगारों के जापान जाने का रास्ता खुलने की उम्मीद है।

एक समझौता भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और जापान एअरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजंसी के बीच चंद्रमा के लिए संयुक्त अन्वेषण मिशन में सहयोग को लेकर हुआ है। दरअसल, भारत-जापान की साझेदारी न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। मजबूत लोकतंत्र एक बेहतर दुनिया को आकार देने में अहम भूमिका निभाते हैं।

इसमें दोराय नहीं कि जापानी तकनीक और भारतीय प्रतिभा का संयोजन अंतरराष्ट्रीय पटल पर एक नए आयाम को आकार दे सकता है। रक्षा उद्योग और नवाचार के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग परस्पर आत्मनिर्भरता के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। दोनों देशों ने पेरिस समझौते के तहत कार्बन क्रेडिट व्यापार पर एक साथ काम करने के लिए भी समझौता किया है। इस कदम से भारत को अपने जलवायु लक्ष्यों के लिए धनराशि और प्रौद्योगिकी हासिल करने में मदद मिल सकती है। जापान के साथ व्यापार, नवोन्मेष और उद्यमिता आदि क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। नवउद्यम, प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्र भी परस्पर लाभकारी हो सकते हैं।

इस तरह की संभावनाओं को तलाशना इसलिए भी जरूरी है, ताकि अमेरिकी शुल्क नीति जैसे और कोई दबाव भविष्य में भारत पर असर न डाल सकें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब चीन की यात्रा पर हैं और उम्मीद है कि वहां भी द्विपक्षीय व्यापार को लेकर सार्थक बातचीत होगी। वैसे तो भारत-चीन के रिश्ते परंपरागत रूप से ज्यादा अच्छे नहीं रहे हैं, लेकिन अमेरिकी शुल्क के मुद्दे पर दोनों देश एक मंच पर आ गए हैं और इस मसले पर रूस भी भारत के साथ है। माना जा रहा है कि इन तीनों आर्थिक शक्तियों का आपसी संवाद वैश्विक उथल-पुथल के बीच नए समीकरणों को आकार दे सकता है।

वैज्ञानिकों को मिली सींग वाले पुरातन इंसान की खोपड़ी

जरा हट के

सदियों से इंसान और उनके पूर्वजों की जानकारी जमा करते करते वैज्ञानिकों ने मानवों का इतिहास तैयार किया है. यह पूरा का पूरा तो सटीक और सब कुछ बताने वाला नहीं है, लेकिन जैसे जैसे पुराने जमाने के मानव कंकाल मिलते हैं. वैज्ञानिक अपनी जानकारी को और बेहतर करते जाते हैं. पर कई बार वाकई उन्हें कुछ ज्यादा ही चौंकाने वाला कुछ मिल जाता है. हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक ऐसी खोपड़ी की खोज की है, जो न तो इंसान की लगती है और न ही निएंडरथल की, बल्कि इस एक सींग वाली खोपड़ी ने तो वैज्ञानिकों को सकते में डाल दिया है क्योंकि अब तक के शोधों के नतीजे इसे खारिज करने नहीं दे रहे हैं.

यूरोप के इतिहास में बड़ी खोज

यह खोज जर्नल ऑफ ह्यूमन इवोल्यूशन में प्रकाशित हुई है. इसमें शोधकर्ताओं ने लिखा है कि 'इस जीवाश्म का यूरोपीय मानव विकास में एक महत्वपूर्ण स्थान है.' विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोपड़ी 300,000 साल पहले यूरोप में निएंडरथल के साथ रहने वाले होमो हाइडलबर्गेंसिस समूह का हिस्सा हो सकती है.

किस दौर का है ये मानव?

यह अजीबोगरीब, 'एक सींग वाली' खोपड़ी पहले 1960 के दशक में ग्रीस के उत्तरी क्षेत्र में पेट्रालोना गुफा की दीवार से जुड़ी हुई मिली थी. तकनीकी प्रगति और कैल्साइट की मदद से शोधकर्ताओं ने इसकी मौजूदगी के दौर 170,000 से 700,000 साल के बीच से सिकोड़कर 600,000 से 300,000 साल की बीच का तय किया है.

यह खोज इन 'यूनिकॉर्न पीपल' की पहचान में एक बड़ा मील का पत्थर है, जो पहले होमो एरेक्टस, होमो निएंडरथैलेन्सिस, या 'आर्केइक होमो सेपियन्स' जैसे विभिन्न प्रजातियों में शामिल किए जाते रहे थे. यह सच है कि अभी इस तरह के मानव के बारे में और भी जानकारी हासिल करने की जरूरत है और इसी लिए वैज्ञानिक इसके बारे में निर्णायक नतीजे पर नहीं पहुंचने की जल्दी में नहीं हैं.

खाना-खजाना

पनीर मोमोज

शायद ही कोई होगा जिसे पनीर मोमोज नहीं पसंद होगा। अगर आप भी इन्हें घर पर हेल्दी तरीके से बनाना चाहते हैं तो आपको हमारी बताई हुई रेसिपी जरूर ट्राई करनी चाहिए।

सामग्री :

आटा (डो) बनाने के लिए

- मैदा दो कप
- नमक स्वादानुसार
- तेल एक छोटा चम्मच
- पानी जरूरत अनुसार

स्टफिंग के लिए

- पनीर 200 ग्राम
- प्याज एक
- हरी मिर्च
- गाजर एक
- पत्ता गोभी एक कप
- अदरक-लहसुन का पेस्ट एक छोटा चम्मच
- सोया सॉस एक छोटा चम्मच
- काली मिर्च आधा छोटा चम्मच
- नमक स्वादानुसार
- तेल एक बड़ा चम्मच

विधि :

सबसे पहले मैदा, नमक और तेल मिलाकर पानी से सॉफ्ट आटा गूंध लें। इसे 20 मिनट के लिए ढककर रख दें।

अब एक कड़ाही में तेल गर्म करें। इसमें प्याज, हरी मिर्च और अदरक-लहसुन पेस्ट डालकर भून लें। अब गाजर, पत्ता गोभी डालकर दो से तीन मिनट तक चलाएं। सोया सॉस, काली मिर्च और नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें। गैस बंद करके कद्दूकस किया हुआ पनीर डालें और अच्छी तरह मिला लें।

इसके बाद आटे से छोटी-छोटी लोइयां बनाकर पतली पूरी बेलें। बीच में एक दो चम्मच स्टफिंग भरें और किनारों को मोड़कर मोमोज का शेप दें। मोमोज को स्टीमर या इडली कुकर में रखकर 10 से 12 मिनट तक स्टीम करें। आपको पनीर मोमो तैयार है। गरम-गरम पनीर मोमोज को लाल तीखी चटनी या मेयो सॉस के साथ सर्व करें।

पितरों के श्राद्ध का उत्तम समय पितृ पक्ष

पितृ पक्ष कब से है? प्रतिपदा से लेकर सर्व पितृ अमावस्या तक श्राद्ध की तिथियों का कैलेंडर

पितृ पक्ष पितरों के श्राद्ध का उत्तम समय होता है. पितृ पक्ष का प्रारंभ आश्विन कृष्ण प्रतिपदा तिथि से होता है. प्रतिपदा तिथि को पितृ पक्ष में प्रतिपदा श्राद्ध के नाम से जाना जाता है. पितृ पक्ष का समापन आश्विन कृष्ण अमावस्या के दिन होता है, जिसे सर्व पितृ अमावस्या कहते हैं. पितृ पक्ष 14, 15 या 16 दिनों का होता है. तिथियों के कम या ज्यादा होने पर इसके दिन घट या बढ़ जाते हैं. तिथि के आधार पर देखा जाए तो पितृ पक्ष में 15 तिथियां आती हैं. पितृ पक्ष के समय में लोग अपने पितरों के लिए श्राद्ध, पिंडदान, ब्राह्मण भोज, पंचबलि कर्म आदि करते हैं. पितृ दोष से मुक्ति के लिए भी पितृ पक्ष का समय बहुत उत्तम माना गया है. आइए जानते हैं कि इस साल पितृ पक्ष कब से शुरू है? पितृ पक्ष की कौन सी तिथि कब है?

प्रतिपदा श्राद्ध के दिन के शुभ समय

- प्रतिपदा श्राद्ध पर ब्रह्म मुहूर्त 04 :31 ए एम से 05 :17 ए एम तक है, जबकि अभिजीत मुहूर्त या शुभ समय 11 :53 ए एम से दोपहर 12 :44 पी एम के बीच है. उस दिन पूरे समय पंचक रहेगा.

पितृ पक्ष श्राद्ध तिथि कैलेंडर 2025

- पंचांग के अनुसार, इस साल का पितृ पक्ष 14 दिनों का है क्योंकि तृतीया और चतुर्थी श्राद्ध एक ही दिन पड़ रहे हैं.

पितृ पक्ष का समापन कब है?

- पितृ पक्ष कैलेंडर के अनुसार पितृ पक्ष का समापन यानि श्राद्ध पक्ष का समापन 21 सितंबर दिन रविवार को होगा. उस दिन आश्विन कृष्ण अमावस्या तिथि है, जो सर्व पितृ अमावस्या के नाम से प्रसिद्ध है.

पितृ पक्ष शुरूआत की तारीख

उज्जैन के महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के ज्योतिषाचार्य डॉ. मृत्युञ्जय तिवारी बताते हैं कि पितृ पक्ष के लिए जरूरी आश्विन कृष्ण प्रतिपदा तिथि 7 सितंबर दिन रविवार को रात 11 बजकर 38 मिनट से प्रारंभ हो रही है और यह अगले दिन 8 सितंबर सोमवार को रात 9 बजकर 11 मिनट तक रहेगा. ऐसे में उदयातिथि की मान्यता के अनुसार इस साल पितृ पक्ष की शुरूआत 8 सितंबर से हो रहा है.

पितृ पक्ष में श्राद्ध की तिथियां

1. प्रतिपदा श्राद्ध– 8 सितंबर, दिन सोमवार
2. द्वितीया श्राद्ध– 9 सितंबर, दिन मंगलवार
3. तृतीया श्राद्ध– 10 सितंबर, दिन बुधवार
4. चतुर्थी श्राद्ध– 10 सितंबर, दिन बुधवार
5. पंचमी श्राद्ध– 11 सितंबर, दिन गुरुवार
6. षष्ठी श्राद्ध– 12 सितंबर, दिन शुक्रवार
7. सप्तमी श्राद्ध– 13 सितंबर, दिन शनिवार
8. अष्टमी श्राद्ध– 14 सितंबर, दिन रविवार
9. नवमी श्राद्ध– 15 सितंबर, दिन सोमवार
10. दशमी श्राद्ध– 16 सितंबर, दिन मंगलवार
11. एकादशी श्राद्ध– 17 सितंबर, दिन बुधवार
12. द्वादशी श्राद्ध– 18 सितंबर, दिन गुरुवार
13. त्रयोदशी श्राद्ध– 19 सितंबर, दिन शुक्रवार
14. चतुर्दशी श्राद्ध– 20 सितंबर, दिन शनिवार
15. सर्व पितृ अमावस्या– 21 सितंबर, दिन रविवार

पितृ पक्ष की प्रतिपदा श्राद्ध

8 सितंबर को आश्विन कृष्ण प्रतिपदा तिथि है, इसलिए पितृ पक्ष की प्रतिपदा श्राद्ध भी है, 8 सितंबर को ही है. प्रतिपदा श्राद्ध में उन पितरों का तर्पण, पिंडदान, दान, श्राद्ध आदि होता है, जिनका किसी भी माह की प्रतिपदा तिथि को निधन हुआ होता है.

आज का राशिफल

मेष : आपको आज नए कार्य में लाभ मिलेगा। उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड आदि मनोनुकूल लाभ देंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आत्मसम्मान बना रहेगा।

वृषभ : आज व्यापार की यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें। प्रमाद न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

मिथुन : बाहरी क्षेत्र से आय बनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कर्क : डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति बनी रहेगी। नए कार्य में लाभ मिलेगा।

सिंह : योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्यभार तथा अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं। बाहर जाने की योजना बनेगी। शत्रुओं का पराभव होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या : कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला : बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। मेहनत अधिक और लाभ कम रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। घर में तनाव रह सकता है। दूसरे लोग आपसे अधिक अपेक्षा करेंगे।

वृश्चिक : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य अनुकूल है, लाभ लें। घर-बाहर सभी ओर से सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

धनु : स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। लापरवाही न करें।

मकर : रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर सभी ओर से सफलता तथा प्रसन्नता प्राप्त होगा।

कुंभ : विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दु:खद समाचार मिल सकता है। नए कार्य में बनेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। दौड़धूप अधिक होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग कम मिलेगा। कार्य की अधिकता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

मीन : मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। भाग्य अनुकूल रहेगा। रुके कार्य पूरे होंगे। प्रसन्नता रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

हड्डियों और जोड़ों के दर्द से हैं परेशान?

- **दूध के साथ इस सूपरफूड का करें सेवन**
- **कुछ ही दिनों में फर्क करने लगेंगे महसूस**

दूध और मखाना, दोनों ही पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ है. दूध में कैल्शियम, जबकि मखाने में मैग्नीशियम, फॉस्फोरस और प्रोटीन पाया जाता है. इनका संयोजन हड्डियों को मजबूत बनाने, जोड़ों के दर्द में राहत देने और सूजन कम करने में बेहद असरदार है. रोज़ाना एक ग्लास गर्म दूध के साथ एक मुट्ठी मखाने लेने से न सिर्फ मांसपेशियों की ताकत बढ़ती है, बल्कि नींद, तनाव और पाचन में भी सुधार होता है. यह उपाय प्राकृतिक, सुरक्षित और हर उम्र के लोगों के लिए उपयोगी है.

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हाथ-पैरों में दर्द, हड्डियों में कमजोरी और जोड़ों की समस्या आम होती जा रही है. युवा हों या बुजुर्ग, हर उम्र के लोग इन परेशानियों से जूझ रहे हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि रसोई में मौजूद दो आम चीजें दूध और मखाना मिलकर आपकी इस समस्या को काफी हद तक दूर कर सकती है.

विशेषज्ञों के अनुसार, दूध जहां कैल्शियम का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है, वहीं मखाने में भरपूर मात्रा में मैग्नीशियम, फॉस्फोरस और प्रोटीन पाया जाता है. जब इन दोनों चीजों को एक साथ सेवन किया जाता है, तो यह शरीर की हड्डियों को मजबूती देने में बहुत लाभकारी साबित होता है.

हर रोज सुबह या रात को एक ग्लास गर्म दूध के साथ एक मुट्ठी मखाने खाने से शरीर को जरूरी पोषण मिलता है. यह न सिर्फ हड्डियों को मजबूत बनाता है, बल्कि जोड़ों के दर्द से भी राहत दिलाता है.

दूध के साथ मखाना का सेवन जोड़ों के दर्द, घुटनों की तकलीफ और शरीर में सूजन जैसी समस्याओं में भी राहत देता है. खास बात यह है कि यह मिश्रण पूरी तरह प्राकृतिक और घरेलू है, जिसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता.

30 की उम्र के बाद शरीर में कैल्शियम और मिनरल्स की कमी तेजी से होने लगती है, जिसकी वजह से मांसपेशियों और हड्डियों में जकड़न महसूस होने लगती है. ऐसे में दूध और मखाने का संयोजन एक सुपरफूड की तरह काम करता है.

मखाने को हल्का सा घी में भूनकर भी खाया जा सकता है या फिर रातभर भिगोकर सुबह दूध के साथ लिया जा सकता है. यह न सिर्फ शरीर को अंदर से ताकत देता है बल्कि नींद में सुधार, तनाव कम करने और पाचन ठीक करने में भी सहायक होता है.

कॉकरोच से छुटकारा दिलाएंगे 4 देसी उपाय

रसोईघर, बाथरूम और नाली के आसपास कॉकरोच घूमते नजर आते हैं? ये आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं. रिसर्च के अनुसार, कॉकरोच आपको पेट से जुड़ी दिक्कतें, फूड पॉइजनिंग, टाइफॉइड, एलर्जी जैसी समस्याएं दे सकता है. दरअसल, इनकी आंतों में एक बैक्टीरिया पाया जाता है, जिसे स्यूडोमोनास एरुगिनोसा कहा जाता है. ये बैक्टीरिया इंसानों में पेशाब की नली में संक्रमण, पाचन तंत्र की परेशानी और कभी-कभी खून में संक्रमण जैसी जानलेवा बीमारियों का कारण बन सकता है.

नीम

नीम के पत्तों का तेल या उसका पाउडर उन जगहों पर डालें जहां कॉकरोच छिपते हैं. रसोई की अलमारियां, सिंक के किनारे या फिर बाथरूम के कोने. नीम की तेज महक कॉकरोचों को वहां से भागने पर मजबूर कर देती है.

लौंग

लौंग की तेज गंध न सिर्फ कॉकरोच, बल्कि कई कीड़ों को दूर रखने में मदद करती है. आप बस कुछ लौंग रसोई के कोनों, अलमारियों या फिर सिंक के आसपास रख दें. यह तरीका भी काफी हद तक कारगर साबित होता है.

बेकिंग सोडा

ये एक आसान और सस्ता तरीका है, जो हर घर में मिल जाता है. बेकिंग सोडा में जब चीनी मिलाकर जगह-जगह रख दिया जाए, तो कॉकरोच उसे खाने के लिए आते हैं. चीनी के साथ मिला बेकिंग सोडा उनके पेट में जाकर गैस बनाता है, जिससे वे मर जाते हैं.

तेजपत्ता

तेजपत्ते को पीसकर पाउडर बना लें. फिर पानी में उबालकर उसका स्प्रे तैयार करें. इसे एक स्प्रे बॉटल में भरकर रख दें. इस पानी को उन जगहों पर छिड़कें, जहां कॉकरोच दिखते हैं. इसकी गंध उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं होती.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

ऑटो में हुई कहासुनी के बाद रास्ते में ही दोस्त का रेत दिया गला, राहगीरों ने पुलिस को सौंपा

लखनऊ. यूपी के लखनऊ से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां गोसाईगंज के नई जेल रोड पर उम्दाखेड़ा में सोमवार को 27 साल के ऑटो ड्राइवर पवन कुमार की हत्या कर दी गई। ऑटो में बैठे पवन के गांव के ही युवक ने कहासुनी के बाद धारदार हथियार से उसका गला रेत दिया। घटना को अंजाम देकर भाग रहे आरोपी को राहगीरों ने पकड़ कर पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। ये घटना गोसाईगंज क्षेत्र का है। जहां मोहनलालगंज के गादियाना के रहने वाला पवन कुमार सोमवार को ऑटो लेकर गोसाईगंज आ रहे था। साथ में गांव का एक युवक भी था। सुबह करीब साढ़े 10 बजे वह गोसाईगंज के उमेद खेड़ा पहुंचे ही थे, तभी ऑटो में बैठे गांव के ही युवक से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। तभी उसने धारदार हथियार से पवन का गला रेत दिया। चीख पुकार पर राहगीरों को जुटता देख आरोपी भागने लगा। लोगों ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी।

युवती की शादी तय होने पर नाराज हुआ आशिक, एकतरफा इश्क में फेंका तेजाब

भदोही. यूपी के भदोही से एक सनसनीखेज माला सामने आया है। जहां रविवार तड़के एक युवक ने घर में सो रही युवती पर एसिड फेंक दिया। इसे युवती जल गई। आनन-फानन में परिजनों ने उसे सीएचसी में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि आरोपी ने एकतरफा प्रेम में घटना को अंजाम दिया है। वह युवती की शादी तय होने से नाराज था। उधर, पुलिस ने एक्शन लेते हाफ एनकाउंटर कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। ये घटना औराई थाना क्षेत्र के एक गांव का है। 19 साल की युवती से पड़ोसी 22 वर्षीय मुकेश एकतरफा प्रेम करने लगा। शनिवार की रात लड़की अपने कमरे में सो रही थी। आरोप है कि रविवार भोर में मुकेश ने मकान के दीवार में छोड़े गए एक ईंट के होल से एसिड फेंक दिया। एसिड पड़ते ही युवती चिल्लाने लगी। आवाज सुनकर जब तक परिजन पहुंचते युवक फरार हो चुका था।

छात्राओं से छेड़खानी के दो आरोपी एनकाउंटर में घायल, CM ने लिया था घटना का संज्ञान

कुशीनगर. यूपी के कुशीनगर में स्कूल में पढ़ने जा रहीं छात्राओं के साथ छींटाकशी और छेड़छाड़ करने के बाद विरोध पर दबंगई दिखाने के आरोपी दो बदमाशों को पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगी है। रविवार की रात हुई मुठभेड़ में आरोपियों के पास से पुलिस ने एक बाइक, दो तमंचा और कारतूस भी बरामद किया है। बदमाशों पर पुलिस ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। रामकोला थाना क्षेत्र के बरवा बाजार स्थित एक विद्यालय के बाहर छींटाकशी और छेड़खानी करने के मामले में विद्यालय की ओर से एसपी को एक पत्र लिख कर गेट के बाहर सुरक्षा व्यवस्था की मांग की गई थी। मामले में सीएम योगी के संज्ञान लेने के बाद रविवार की शाम रामकोला पहुंचे एसपी संतोष कुमार मिश्र ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें गठित की थीं।

पुलिस कस्टडी में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

हरदोई. यूपी के हरदोई से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक युवक ने पुलिस कस्टडी के दौरान फांसी लगाकर जान दे दी। नाबालिग को भगा ले जाने के आरोप में युवक को हिरासत में लेकर कोतवाली आई थी। जहां बहाने से युवक शौचालय गया और फंदे से लटक गया। ये घटना शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र का है। अहमदनगर की रहने वाले एक नाबालिग लड़की 27 अगस्त को घर से चली गई थी। परिजनों ने गांव के ही 20 साल के रवि राजपूत पर लड़की को ले जाने का आरोप लगाया था। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दोनों को बरामद किया था। रविवार शाम को युवक को पूछताछ के लिए कोतवाली लाया गया। बताया जा रहा कि देर शाम सात बजे वह बहाना बनाकर शौचालय गया। जहां उसने फांसी लगा ली।

अफगानिस्तान में भूकंप से 800 मौतें, 2500 घायल

- आधी रात को आया 6 तीव्रता का भूकंप
- सोते हुए लोगों को बचने का मौका नहीं मिला

काबुल. अफगानिस्तान में रविवार की आधी रात को 11:47 बजे (स्थानीय समयानुसार) 6 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें अब तक 800 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2500 से ज्यादा लोग घायल हैं।

भूकंप के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे, इस वजह से वे इमारतों के मलबे में दब गए। शहर में रातभर झटके महसूस किए गए। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के मुताबिक भूकंप 2 लाख की आबादी वाले जलालाबाद शहर से लगभग 17 मील दूर आया। यह राजधानी काबुल से 150 किमी दूर है।

NYT की रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मौतें पड़ोसी कुनार प्रांत में हुई हैं। अल जजीरा के मुताबिक भूकंप के झटके पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब प्रांत में भी महसूस हुए। वहीं, भारत के गुरुग्राम में भी हल्के झटके महसूस किए गए।

वहीं, पीएम मोदी ने अफगानिस्तान में आए भूकंप में पर दुख जताया है। उन्होंने X पर लिखा- इस कठिन घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं, और हम

घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं। भारत प्रभावित लोगों को हर संभव मानवीय सहायता और राहत प्रदान करने के लिए तैयार है।

भूकंप के बाद लैंडस्लाइड से सड़कें बंद हुई

रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा मौतें पड़ोसी कुनार प्रांत में हुई हैं। सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने भी सोशल मीडिया पर लिखा कि भूकंप से देश के कुछ पूर्वी प्रांतों में गंभीर जान-माल का नुकसान हुआ है। हालांकि, उन्होंने ज्यादा डिटेल शेयर नहीं किया है। यह पहाड़ी इलाका है। इन इलाकों तक पहुंचना बेहद मुश्किल है, जिससे बचाव और राहत कार्यों में दिक्कत आ रही है।

बिहार में SIR पर बड़ी राहत

- सुप्रीम कोर्ट ने बढ़ा दी दस्तावेज जमा करने की तारीख

नई दिल्ली. बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 1 सितंबर को दस्तावेज जमा करने की डेडलाइन खत्म होने के बाद भी दस्तावेज स्वीकार किए जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए कहा है कि चुनाव आयोग को दावे, आपत्तियां और सुधार के लिए जमा किए जाने वाले दस्तावेज 1 सितंबर के बाद भी स्वीकार करने होंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिहार एसआईआर प्रक्रिया पर भ्रम 'काफी हद तक विश्वास का मुद्दा' है, ऐसे में राजनीतिक दलों को खुद को सक्रिय करना चाहिए। कोर्ट ने बिहार विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह दावे, आपत्तियां दाखिल करने में मतदाताओं, राजनीतिक दलों की सहायता के लिए अर्ध-विधिक स्वयंसेवकों को तैनात करे। सुप्रीम कोर्ट ने अर्ध-कानूनी स्वयंसेवकों से जिला न्यायाधीशों के समक्ष गोपनीय रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है, जिस पर आठ सितंबर को विचार किया जाएगा। आरजेडी और एआईएमआईएम की याचिका पर सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, बिहार में ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में कुल 2.74 करोड़ मतदाताओं में से 99.5 प्रतिशत ने अब तक पात्रता दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं।

नामांकन की अंतिम तिथि तक दावे, आपत्तियां, सुधार

दावे, आपत्तियां दर्ज करने की एक सितंबर की समय सीमा में कोई भी विस्तार एसआईआर प्रक्रिया और मतदाता सूची को अंतिम रूप देने में बाधा उत्पन्न करेगा। दावे और आपत्तियां दाखिल करना एक सितंबर के बाद भी जारी रहेगा, लेकिन मतदाता सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद इन पर विचार किया जाएगा। नामांकन की अंतिम तिथि तक दावे, आपत्तियां, सुधार दाखिल किए जा सकते हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि राजनीतिक दलों द्वारा दायर किए गए अधिकतर दावे और आपत्तियां मसौदा मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए हैं, शामिल करने के लिए नहीं।

कश्मीर के पुंछ में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

- PoK से आए आतंकियों ने भागने की कोशिश की
- सेना ने इलाके की घेराबंदी की

श्रीनगर. कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल (LoC) के पास सोमवार को भारतीय सेना ने आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने X पर बताया कि सुबह करीब 5:30 बजे बालाकोट के जनरल एरिया में LoC के पास संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी। जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को रोकने के लिए तुरंत फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद आतंकियों ने भी ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद आतंकवादियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। आतंकियों की तलाश की जा रही है। सेना ने बताया कि आतंकी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से देश में घुसने की कोशिश कर रहे थे। घुसपैठ की यह कोशिश ऐसे दिन में हुई जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पिछले महीने हुई भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद की स्थिति का आकलन करने के लिए आज ही जम्मू के दौरे पर थे।

मानवता की पुकार है यूक्रेन से जंग रोकना

- व्लादिमीर पुतिन से बोले PM मोदी

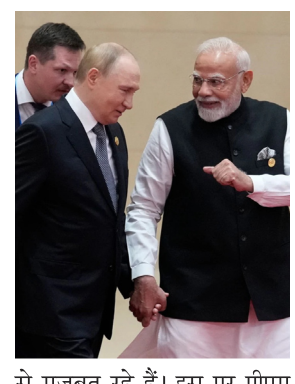

शंघाई. शंघाई सहयोग संगठन से इतर पीएम नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की द्विपक्षीय मुलाकात हुई है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत और रूस कठिन वक्त में भी एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक शांति के लिए हमारा सहयोग जरूरी है। पीएम मोदी ने यूक्रेन के साथ जारी रूस के संघर्ष पर भी बात की और कहा कि इस जंग को रोकना मानवता की पुकार है। वहीं व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि मुझे नरेंद्र मोदी से मिलकर अच्छा लगा है। हमारे रिश्ते हमेशा से मजबूत रहे हैं। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि व्लादिमीर पुतिन से मिलना हमेशा यादगार रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और रूस हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर चले हैं।

> "पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आपसे मिलना यादगार रहता है। इसके अलावा कई मसलों पर हम बातचीत करते हैं। सितंबर में हमारी आपसी मीटिंग का 140 करोड़ भारतीय इंतजार कर रहे हैं। हमारा करीबी सहयोग ना केवल दोनों देशों के लिए बल्कि वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को लेकर हम लगातार चर्चा करते रहे हैं। हम आशा करते हैं कि सभी पक्ष रचनात्मक चर्चा करेंगे और उसे खत्म करने के लिए आगे बढ़ेंगे। यह पूरी मानवता की पुकार है कि यूक्रेन में चल रहा संघर्ष खत्म हो जाए।

बता दें कि SCO समिट में पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में आतंकवाद पर भी खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि हमें देखना होगा कि कुछ देश खुलकर आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं और हम उस पर आंखें बंद नहीं कर सकते। यही नहीं पीएम नरेंद्र मोदी की पहल पर SCO समिट के साझा घोषणा पत्र में भी पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया गया है और उसकी तीखी निंदा की गई है। SCO समिट में पहले कभी पाकिस्तान प्रायोजित हमले की इस तरह निंदा नहीं की गई। ऐसे में प्रस्ताव में उसे शामिल किया जाना, भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

बेंगलुरु में लिव-इन पार्टनर को जिंदा जलाया

- आरोपी ने सिग्नल पर कार रुकवाकर पेट्रोल छिड़का
- महिला भागी तो पीछा किया, और फ्यूल डालकर आग लगाई

बेंगलुरु. कर्नाटक के बेंगलुरु में लिव-इन पार्टनर को जिंदा जलाकर हत्या का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोपी ने पहले कार सवार लिव-इन पार्टनर का पीछा किया। फिर सिग्नल पर गाड़ी रुकवाकर पेट्रोल छिड़क दिया। घटना शनिवार की है।

कार में कुल तीन लोग सवार थे। महिला कार से निकलकर भागी तो आरोपी ने उसका पीछा किया। उस पर और पेट्रोल डाला और लाइटर से उसे आग लगा दी। महिला 60 फीसदी झुलस चुकी थी। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान 50 साल के विट्ठल के रूप में हुई है। वह एक कैब ड्राइवर और शराब पीने का आदी था। मृतक महिला का नाम वनजाक्षी था। वह 35 साल की थी। दोनों लगभग चार साल पहले लिव-इन रिलेशनशिप में आए थे।

भागने के दौरान वनजाक्षी गिरी, विट्ठल में आग लगा दी

विट्ठल पहले तीन बार शादी कर चुका था। वनजाक्षी भी लिव-इन में आने से पहले दो बार शादी कर चुकी थी। वह हाल ही में विट्ठल के शराब की लत और बार-बार उत्पीड़न से परेशान होकर उससे अलग हो गई थी। वनजाक्षी की मरिअप्पा नामक एक अन्य व्यक्ति के साथ भी दोस्ती भी हो गई थी। घटना वाले दिन, वनजाक्षी कार से मरिअप्पा और ड्राइवर के साथ एक मंदिर से लौट रही थी। विट्ठल वनजक्षी की कार का पीछा कर रहा था। एक ट्रैफिक सिग्नल पर, विट्ठल ने गाड़ी रुकवाई और वनजाक्षी, मरिअप्पा और ड्राइवर पर पेट्रोल छिड़क दिया। मरिअप्पा और ड्राइवर वहां से भाग गए, लेकिन विट्ठल ने वनजाक्षी का पीछा किया। वनजाक्षी भागने के दौरान गिर गई, तो विट्ठल ने उस पर और पेट्रोल डालकर लाइटर से उसे आग लगा दी। वहां से गुजर रहा एक व्यक्ति वनजाक्षी को बचाने के लिए दौड़ा। उसने कपड़े के एक टुकड़े से आग बुझाई और लोगों की मदद से उसे एक निजी अस्पताल पहुंचाया।

MBBS/BDS एडमिशन में कोटा चाहिए तो चार साल वहां रहना ही होगा - CJI

नई दिल्ली. देश के मुख्य न्यायाधीश (CJI) जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने सोमवार यानी 1 सितंबर को तेलंगाना हाई कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें मेडिकल कॉलेजों में दाखिला लेने के लिए राज्य के डोमिसाइल नीति को रद्द कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए अगर कोई कैंडिडेट डोमिसाइल कोटा का लाभ उठाना चाहता है तो उसे लगातार चार वर्षों तक तेलंगाना में निवास या अध्ययन करना ही होगा। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चार साल की अनिवार्यता की नीति मनमाना और असंवैधानिक नहीं है।

इससे पहले हाई कोर्ट ने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए राज्य के अधिवास नियम को रद्द कर दिया था। तेलंगाना राज्य एवं अन्य बनाम कल्लूरी नागा नरसिम्हा अभिराम एवं अन्य मामले की सुनवाई करते हुए CJI गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने तेलंगाना सरकार के उस अधिवास नियम को बरकरार रखा, जिसके तहत 12वीं कक्षा तक लगातार पिछले चार वर्ष से राज्य में पढ़ाई कर रहे छात्रों को ही राज्य कोटे के तहत मेडिकल एवं डेंटल कॉलेज में प्रवेश की अनुमति दी गई थी।

CJI जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने राज्य सरकार की अपील स्वीकार कर ली और तेलंगाना मेडिकल एवं डेंटल कॉलेज प्रवेश (MBBS और BDS पाठ्यक्रमों में प्रवेश) नियम, 2017 को बरकरार रखा जिसे 2024 में संशोधित किया गया है।

भारतीय क्रिकेटर्स फिटनेस टेस्ट में पास

- रोहित-शार्दूल को छोड़कर सभी खिलाड़ी एशियन टूर्नामेंट खेलेंगे
- बेंगलुरु में हुआ था आयोजन

वनडे कप्तान रोहित शर्मा, टेस्ट कप्तान शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, यशस्वी जायसवाल, वॉशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर ने प्री-सीजन फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। बेंगलुरु में BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में यो-यो टेस्ट और ब्रोंको टेस्ट का आयोजन किया गया था। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, ये सभी खिलाड़ी नए सीजन के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

क्या था फिटनेस टेस्ट?

खिलाड़ियों ने दो तरह के टेस्ट दिए: यो-यो टेस्ट और डीएक्सए स्कैन

- **यो-यो टेस्ट:** यो-यो टेस्ट में खिलाड़ी को बार-बार 20-20 मीटर की दौड़ लगानी होती है। हर दौड़ तय समय के अंदर पूरा करना होता है। जैसे-जैसे टेस्ट आगे बढ़ता जाता है दौड़ पूरा करने के लिए समय कम होता जाता है। खिलाड़ी जितनी देर तक इस टेस्ट में टिका रहता है उसे उतना ज्यादा स्कोर मिलता है। BCCI के मुताबिक, हर खिलाड़ी को इस टेस्ट में कम से कम 17.1 या इससे ज्यादा पॉइंट्स हासिल करना जरूरी है।
- **डीएक्सए स्कैन:** ड्यूल-एनर्जी एक्स-रे एब्सॉर्प्टियोमेट्री (DXA) एक मेडिकल इमेजिंग टेस्ट है, जो कम डोज वाली एक्स-रे किरणों से हड्डियों की मजबूती, शरीर में वसा (फैट) और मांसपेशियों की मात्रा मापता है। यह चोटों, खासकर फ्रैक्चर के जोखिम का आकलन करने में मदद करता है।

मस्जिद में होती है गणपति बप्पा की स्थापना

- हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल यह गांव

सांगली. महाराष्ट्र के एक गांव में चार दशक से अधिक समय से अनोखा गणेश उत्सव मनाया जा रहा है। यहां मस्जिद में गणपति बप्पा की मूर्ति स्थापित की जाती है।

स्थानीय गणेश मंडल के संस्थापक अशोक पाटिल ने बताया कि दूसरी जगहों पर धार्मिक तनाव का सांगली जिले के गोटखिंडी गांव के निवासियों पर कभी असर नहीं पड़ा है। इस गांव की आबादी करीब 15 हजार है, जिसमें मुस्लिम समुदाय के 100 परिवार शामिल हैं। पाटिल ने बताया कि मुसलमान भी इस मंडल के सदस्य हैं। वे प्रसाद बनाने, पूजा अर्चना करने और उत्सव की तैयारियों में मदद करते हैं।

अशोक पाटिल ने बताया कि यह परंपरा 1980 में शुरू हुई थी, जब भारी बारिश के कारण हिंदू और मुस्लिम समुदायों के सदस्यों ने सांगली जिले के गोटखिंडी गांव में एक मस्जिद के अंदर गणपति की मूर्ति को ले जाने का फैसला किया था। उन्होंने कहा, 'तब से यह परंपरा शांतिपूर्वक जारी है और इसमें मुस्लिम समुदाय की सक्रिय भागीदारी है। गांव के झुंझार चौक पर न्यू गणेश तरुण मंडल की स्थापना 1980 में हुई थी।' मूर्ति को 10 दिन के उत्सव के लिए मस्जिद में रखा जाता है और फिर अनंत चतुर्दशी के दिन उत्सव के समापन पर स्थानीय जलाशय में विसर्जित कर दिया जाता है।

हिंदू त्योहारों के दौरान मांस खाने से परहेज

पाटिल ने बताया कि एक बार बकरीद और गणेश चतुर्थी की तारीखें एक साथ पड़ीं, तो मुसलमानों ने अपना त्योहार केवल नमाज अदा करके और कुर्बानी न देकर मनाया था। उन्होंने कहा, 'वे हिंदू त्योहारों के दौरान भी मांस खाने से परहेज करते हैं।' उन्होंने कहा कि पूरे देश को यहां के सामाजिक और धार्मिक सद्भाव के वातावरण से प्रेरणा लेनी चाहिए। पाटिल ने बताया कि हर साल गणेश मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए स्थानीय पुलिस और तहसीलदार को आमंत्रित किया जाता है। इस साल 10 दिवसीय गणपति उत्सव 27 अगस्त से शुरू हुआ।

अमेरिका के लिए पोस्टल सर्विस अब पूरी तरह से सस्पेंड

- 8700 तक के डॉक्यूमेंट-गिफ्ट की बुकिंग पर भी रोक लगी
- अमेरिकी टैरिफ की वजह से फैसला

नई दिल्ली. भारतीय डाक विभाग ने अमेरिका के लिए सभी तरह की पोस्टल सर्विस पर टेम्परेरी तौर पर रोक लगा दी है। ये फैसला अमेरिका के 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद कस्टम विभाग के नए नियमों में अस्पष्टता के चलते किया गया है।

इसमें 100 डॉलर तक के लेटर, दस्तावेज और गिफ्ट आइटम्स भी शामिल हैं। इससे पहले डाक विभाग ने 25 अगस्त से इन कैटेगरी को छोड़कर सभी पार्सल पर रोक लगा दी थी।

विभाग ने रविवार को कहा कि जब तक स्थिति साफ नहीं होती और एयरलाइंस अमेरिका जाने वाले डाक पार्सल ले जाने को तैयार नहीं होतीं, तब तक यह रोक जारी रहेगी। डाक विभाग ने बताया- जिन्होंने पहले ही बुकिंग कराई है लेकिन सामान भेजा नहीं जा सका, वे पोस्टेज का रिफंड ले सकते हैं। हम हालात पर नजर रखे हुए है और जल्द से जल्द सेवा बहाल करने की कोशिश की जा रही है।

- पहले 70 हजार रुपए तक के सामान ड्यूटी फ्री थे

एक्सट्रा टैरिफ लागू होने के बाद 29 अगस्त से अमेरिका जाने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय डाक सामानों पर देश-विशेष इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट (IEEPA) टैरिफ स्ट्रक्चर के अनुसार कस्टम ड्यूटी देनी पड़ रही है। चाहे उनकी कीमत कितनी भी हो।

हालांकि, अभी भी 100 डॉलर (करीब 8,700 रुपए) तक की कीमत वाले लेटर, डॉक्यूमेंट और गिफ्ट आइटम्स को ड्यूटी से छूट मिलती रहेगी, लेकिन नियम इसके लिए भी स्पष्ट नहीं है। इसके चलते एयरलाइंस इन्हें भी नहीं ले जा रही है। वहीं, 29 अगस्त से पहले 800 डॉलर यानी करीब 70 हजार रुपए तक के सामान ड्यूटी फ्री थे।

73 हजार कमाने वाली महिला को गुजारा भत्ता देने से इनकार

प्रयागराज. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पति-पत्नी के बीच गुजारा भत्ता के मामलों पर एक अहम फैसला दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 73,000 रुपए कमाने वाली और 80 लाख के फ्लैट की मालकिन पत्नी को गुजारा भत्ता देने से इनकार कर दिया। फैमिली कोर्ट ने पति को 15000 रुपए महीना गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। फैमिली कोर्ट ने बच्चे को भी 25000 महीना देने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने उस फैसले को बरकरार रखा है। जस्टिस सौरभ लावण्या ने यह फैसला सुनाते हुए कहा कि पत्नी आर्थिक रूप से अपना खर्च उठाने में पूरी तरह सक्षम है।

बार एंड बेंच की खबर के अनुसार एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर महिला ने अपने पति से गुजारा भत्ता मांगा था। वह टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) में कार्यरत थी और उनकी मासिक आय ₹73,000 थी। यह भी सामने आया कि उन्होंने लखनऊ में 80,43,409 का एक फ्लैट खरीदा था, जिसकी बुकिंग उन्होंने जनवरी 2023 में की थी। फैमिली कोर्ट ने पति को आदेश दिया था कि वह पत्नी को हर महीने 15,000 रुपए और उनके बच्चे को 25,000 रुपए का गुजारा भत्ता दे।

पति ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को पलटते हुए कहा कि महिला आर्थिक रूप से खुद का खर्च उठाने में सक्षम है, इसलिए उसे पति से गुजारा भत्ता पाने का अधिकार नहीं है। हालांकि कोर्ट ने बच्चे के लिए 25,000 रुपए प्रति माह का गुजारा भत्ता देने का आदेश बरकरार रखा। इस फैसले से यह स्पष्ट होता है कि अगर कोई पत्नी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर है और खुद की कमाई से अपना खर्च चला सकती है, तो वह पति से गुजारा भत्ता पाने का दावा नहीं कर सकती।

आम सूचना

मैं श्री घनश्याम श्रावण पाभले सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, गोपाल मॅटर्निटी हाउस के पास, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 07एओ014698700) उक्त प्रॉपर्टी श्री दिनेश प्रभाकर चित्ते के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 1.9.2025 सी.नं. 1062/2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री घनश्याम श्रावण पाभले

संक्षेप...

89 चोरी के मोबाइल फोन बरामद

मुंबई. ओशिवारा पुलिस ने एक 25 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से 89 चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अक्षय राजू दुगलज के रूप में पहचाने गए आरोपी ने पूछताछ के दौरान कबूल किया कि उसने पिछले कुछ महीनों में अंधेरी से गोरेगांव बेल्ट तक मोबाइल फोन चुराए थे। उसने गोरेगांव के एक कमरे के अंदर एक प्लास्टिक बैग में सभी चोरी किए गए फोन रखे थे और उन्हें बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहा था।

यह मामला तब सामने आया जब शिकायतकर्ता राहुल मिश्रा (34), जो ओशिवारा के एक होटल में मैनेजर के रूप में काम करते हैं, ने रिपोर्ट किया कि उनका मोबाइल फोन जिसकी कीमत 50,000 रुपये है, 28 अगस्त को होटल परिसर से चोरी हो गया था।

हाईकोर्ट आरक्षण आंदोलन पर सख्त

- **कहा- जरांगे व समर्थक मंगलवार दोपहर तक सभी सड़कें खाली करें**

मुंबई. मराठा आरक्षण आंदोलन पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। अदालत की पीठ ने कहा कि मनोज जरांगे के नेतृत्व वाला विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं है और इसमें सभी शर्तों का उल्लंघन किया गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई में चल रहे आंदोलन पर तत्काल सुनवाई करते हुए कहा कि हमने कुछ शर्तों के साथ विरोध प्रदर्शन की अनुमति दी थी, जिनका प्रदर्शनकारियों ने उल्लंघन किया है। प्रदर्शनकारियों ने शहर को ठप कर दिया है और उन्होंने अदालत को दिए गए अपने हलफनामे का पालन नहीं किया है।

प्रदर्शन पर कोर्ट की सख्त टिप्पणी

बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को कहा कि मराठा आरक्षण आंदोलन के कारण पूरा मुंबई ठप हो गया है। इसके साथ ही अदालत ने माना कि आंदोलन शांतिपूर्ण नहीं रहा और प्रदर्शनकारियों ने सभी शर्तों का उल्लंघन किया है। अदालत ने आदेश दिया कि मंगलवार दोपहर तक शहर की सभी सड़कें खाली कर दी जाएं। न्यायमूर्ति रविंद्र घुगे और गौतम अंकल के खंडपीठ ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को सिर्फ आजाद मैदान में धरना देने की अनुमति थी, लेकिन वे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चर्चगेट स्टेशन, मरीन ड्राइव और यहां तक कि हाई कोर्ट के बाहर भी जुट गए।

आंदोलनकारियों और सरकार को कोर्ट का निर्देश

बॉम्बे हाई कोर्ट मराठा आंदोलन पर सख्त टिप्पणी की है। हाई कोर्ट ने मनोज जरांगे के समर्थकों से कहा कि हालात सुधारे और रास्ता खाली करें। आंदोलन के कारण जाम की स्थिति पर हाईकोर्ट ने कहा कि कल तक मुंबई की सभी सड़कें खाली हों। इसके साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि सरकार तय करें

कि सड़कें खाली हों। वहीं अदालत ने प्रदर्शनकारियों को साफ निर्देश दिया है कि सिर्फ पांच हजार प्रदर्शनकारी मैदान में हों और बाकी सभी दोपहर 12 बजे तक जाएं।

कोर्ट के सवाल पर सरकार जवाब, आज फिर सुनवाई

कोर्ट ने सरकार से पूछा कि अगर लाखों और लोग मुंबई में आते हैं तो आप क्या करेंगे? सरकार ने अदालत को बताया कि गणेशोत्सव के कारण हालात संभालने में कठिनाई है। पुलिस बल का कड़ा इस्तेमाल आसान है लेकिन उसके नतीजे गंभीर होंगे, इसलिए संतुलन बनाना जरूरी है। हाई कोर्ट ने साफ कहा कि हर नागरिक को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यह शांति और तय नियमों के तहत होना चाहिए। अदालत इस मामले पर मंगलवार को फिर सुनवाई करेगी।

जरांगे का आश्वासन सिर्फ औपचारिकता साबित हुआ

कोर्ट ने कहा, मुंबई शहर ठप हो चुका है। जजों और वकीलों की गाड़ियां रोकी गईं, गेट ब्लॉक कर दिए गए। सड़क पर नहाना, खाना पकाना और गंदगी फैलाना हो रहा है। अदालत ने चेतावनी दी कि जरांगे और समर्थकों ने हर शर्त तोड़ी है, अब सरकार कानून के तहत कार्रवाई करे और नए प्रदर्शनकारियों को शहर में आने से रोके। एडवोकेट जनरल बिरेन्द्र साराफ ने बताया कि धरने की अनुमति सिर्फ 29 अगस्त तक थी। जरांगे का पुलिस को दिया गया आश्वासन सिर्फ औपचारिकता साबित हुआ।

एकनाथ भानुदास धमाल निदेशक व सरकारी अभियोजक पद पर नियुक्त

ठाणे. महाराष्ट्र सरकार के गृह विभाग ने राज्य के 30 अतिरिक्त सरकारी अभियोजकों को पदोन्नत कर उन्हें छठे निदेशक एवं सरकारी अभियोजक के पद पर नियुक्त किया है।ठाणे जिले के अतिरिक्त सरकारी अभियोजक एकनाथ भानुदास धमाल का चयन कर उन्हें ठाणे में नियुक्त किया गया है। धमाल को 2002 में महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग द्वारा छठे सरकारी अभियोजक (ग्रुप-ए) के रूप में चुना गया था। इसके बाद, उन्होंने मुंबई, रायगढ़ और ठाणे जिलों की अदालतों में सरकार की ओर से प्रभावी ढंग से कार्य किया। उन्होंने प्रवीण महाजन की गिरफ्तारी और रिमांड कार्यवाही तथा अजमल कसाब की गिरफ्तारी और रिमांड कार्यवाही जैसे महत्वपूर्ण मामलों में सरकार का सफलतापूर्वक प्रतिनिधित्व किया।उन्हें 2021 में अतिरिक्त लोक अभियोजक के रूप में पदोन्नत किया गया था। ठाणे और बेलापुर उप-न्यायालयों में कार्य करते हुए, उन्होंने दोषसिद्धि

दर में उल्लेखनीय वृद्धि की है और कई गंभीर मामलों में अभियुक्तों को दोषी ठहराया है।अब छठे निदेशक एवं लोक अभियोजक के रूप में धमाल को ठाणे और पालघर जिलों में कार्यालय प्रशासनिक कार्य, अधीनस्थ लोक अभियोजकों के न्यायिक कार्यों का मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण, अपराधों की जाँच पर जाँच एजेंसियों को फीडबैक प्रदान करना, सरकार की विभिन्न समितियों में कार्य करना, साथ ही कानूनी संगोष्ठियों का आयोजन जैसी महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं।

मुंबई विश्वविद्यालय के युवा महोत्सव में SST महाविद्यालय का एक बार फिर जलवा

उल्हासनगर. एसएसटी महाविद्यालय ने एक बार फिर अपनी कलात्मकता और प्रतिभा का प्रभाव छोड़ते हुए मुंबई विश्वविद्यालय के 58वें युवा महोत्सव में ठाणे प्रादेशिक (ज़ोन) स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया। ठाणे स्थित एनकेटीटी महाविद्यालय में आयोजित इस प्रतिष्ठित स्पर्धा में कुल 45 महाविद्यालयों ने भाग लिया, जिनमें एसएसटी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से सभी का ध्यान आकर्षित किया। विद्यार्थियों ने मोनो अभिनय, माइम, हिंदी स्किट, शास्त्रीय नृत्य और कहानी कथन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। इनमें सभी स्पर्धकों ने अंतिम फेरी (फाइनल) के लिए पात्रता प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम गर्व से ऊँचा किया।

अंतिम फेरी के लिए पात्र विद्यार्थी –

मोनो मराठी – ओम जाधव

माइम – क्रांति नरवडे, भाविन वखरे, यश मोहीते, लवीन मंडोल, प्राची गायकवाड़, दृष्टि शिखरे

हिंदी स्किट – भक्ती जाधव, शक्तिवेल थोंडामन, क्रांति नरवडे, राज जाधव, सलोनी रोकड़े, सानिका सावंत

शास्त्रीय नृत्य – द्विथी अमीन

कथाकथन (हिंदी) – फरीन शेख

इस सफलता के पीछे एसएसटी महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन और निरंतर प्रेरणा रही। विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाते हुए उन्होंने हमेशा उनके सर्वांगीण सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। संजीवनी सांस्कृतिक विभाग के साथ प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी ने विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक प्रशंसा व्यक्त की है और विश्वास जताया है कि आगामी अंतिम फेरी में वे और भी शानदार सफलता प्राप्त करेंगे।

ठाणे में पाँचवें दिन 8984 गणेश मूर्तियों का विसर्जन

- **6 टन से अधिक निर्माल्य एकत्रित**

ठाणे. ठाणे मनपा क्षेत्र में पाँचवें दिन गणेश मूर्ति विसर्जन रविवार को भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस वर्ष पाँच दिनों में मनपा क्षेत्र में 8984 गणेश मूर्ति का विसर्जन किया गया। इनमें से 4811 मूर्तियां शाडू मिट्टी से और 4173 मूर्तियाँ पीओपी से बनी थीं। इसी प्रकार मनपा के गणेश मूर्ति स्वीकृति केंद्र पर प्राप्त कुल 25 गणेश प्रतिमाओं के साथ-साथ चलित विसर्जन व्यवस्था में 62 गणेश प्रतिमाओं का विधिवत विसर्जन किया गया।उच्च न्यायालय के आदेशानुसार छह फीट तक ऊँची मूर्तियों का विसर्जन कृत्रिम तालाबों में और उससे बड़ी मूर्तियों का विसर्जन खाड़ी के घाटों पर किया जा रहा है। कुछ श्रद्धालुओं ने छोटी मूर्तियों का भी विसर्जन खाड़ी में करने पर ज़ोर दिया। मनपा और पुलिस प्रशासन द्वारा उनसे बार-बार कृत्रिम तालाबों में विसर्जन करने का अनुरोध किया गया।साथ ही मनपा ने नागरिकों से अपील की है कि वे सातवें और ग्यारहवें दिन भी छह फीट तक ऊँची मूर्तियों का विसर्जन कृत्रिम तालाबों में करें।

इस वर्ष मनपा के ठोस अपशिष्ट विभाग की उर्वरक परियोजना में जैव-खाद विधि से खाद के रूप में उपयोग हेतु निर्माल्य जमा किया गया।यह जैव-खाद परियोजनाएँ कोलशेत, कौसा और ऋतु पार्क में संचालित हैं। पाँचवें दिन गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान 6 टन से अधिक कचरा एकत्र किया गया। इस कचरे का प्रसंस्करण कर उससे जैविक खाद तैयार की जाएगी। साथ ही, कचरे के अजैवनिम्नीकरणीय घटकों को वर्गीकृत कर पुनर्चक्रण के लिए भेजा जाएगा।

'राष्ट्रीय अंत्योदय कांग्रेस' पार्टी को केंद्रीय चुनाव आयोग का नोटिस

ठाणे. केंद्रीय चुनाव आयोग ने राजनीतिक दल 'राष्ट्रीय अंत्योदय कांग्रेस' को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पिछले छह वर्षों से, यानी 2019 से इस पार्टी ने कोई चुनाव नहीं लड़ा है।इसलिए आयोग का मानना है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29A के अनुसार इस पार्टी ने राजनीतिक दल के रूप में कार्य करना बंद कर दिया है।

इसी कारण आयोग ने पार्टी का पंजीकरण रद्द करने का निर्णय लिया है। हालाँकि, कार्रवाई करने से पहले, पार्टी को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया है।चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार, 'राष्ट्रीय अंत्योदय कांग्रेस' पार्टी का गठन चुनावों में भाग लेने के लिए किया गया था। 2019 के बाद से, इस पार्टी ने लोकसभा, राज्य विधानसभा या किसी भी उपचुनाव में एक भी उम्मीदवार नहीं उतारा है। इसके कारण आयोग का कहना है कि यह पार्टी अब धारा 29ए के अनुसार राजनीतिक दल के मानदंडों का पालन नहीं करती है।इस नोटिस का जवाब देने के लिए पार्टी को 4 सितंबर 2025 तक का समय दिया गया है। पार्टी को लिखित स्पष्टीकरण, संबंधित दस्तावेज और अध्यक्ष या महासचिव का हलफनामा प्रस्तुत करना आवश्यक है। इस मामले में 11 सितंबर 2025 को मुंबई स्थित महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय में सुनवाई होगी। इस सुनवाई में पार्टी अध्यक्ष, महासचिव या पार्टी प्रमुख का उपस्थित होना अनिवार्य है। यदि पार्टी निर्धारित समय के भीतर जवाब नहीं देती है या सुनवाई में शामिल नहीं होती है, तो उचित कार्रवाई की जाएगी। यह नोटिस चुनाव आयोग के उप सचिव और संयुक्त मुख्य चुनाव अधिकारी मनोहर पारकर के हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

نوجیون کو آپریٹو بینک لمیٹیڈ

THE NAVJEEVAN CO.OP. BANK LTD. ESTD : 1985

NAV JEEVAN CO-OP. BANK

Head Office:
Bhawani Saw Mills Compound, Ulhasnagar-3.
☎: 0251-2572101:2568541/Fax 2567523
Visit us at: www.navjeevanbank.com

SERVICES AVAILABLE

Features and Services of Bank

- Different types of Deposits Schemes with Attractrive Deposits Rates.
- All types of Loans & Advances facilities with Competitive Rate.
- 24x7 NEFT/RTGS Services.
- Safe and Secure Mobile Banking Service with NEFT and RTGS Services.
- Franking Service in Ulhasnagar and Thane.
- Insurance Service through corporate Partners

Upcoming Service

Blocking & Unblocking ATM cards through SMS.

अंबरनाथ में 90 निरंकारी भक्तों का उस्फूर्त रक्तदान

अंबरनाथ. संत निरंकारी मिशन के डोंबिवली ज़ोन के अंतर्गत अंबरनाथ ब्रांच द्वारा रविवार, 31 अगस्त को शिवम मंगल कार्यालय, अंबरनाथ में आयोजित रक्तदान शिविर में 90 निरंकारी भक्तों ने बड़े उस्फूर्त भाव से रक्तदान किया जिसमें 70 पुरुष एवं 20 महिला रक्तदाताओं का समावेश था. संत निरंकारी रक्तपेढी द्वारा रक्त संकलन किया गया.

मिशन के डोंबिवली ज़ोन के क्षेत्रीय प्रभारी श्री रावसाहेब हसबे की प्रमुख उपस्थिती में ईश्वर का सिमरण करते हुए इस शिविर का शुभारंभ किया गया. शिविर को शिष्टाचार भेंट करने वाले गणमान्य सज्जनों में पूर्व नगरसेवक ॲड निखिल वालेकर एवं अंबरनाथ टाइम्स के संपादक वरिष्ठ पत्रकार श्री कमलाकर सुर्यवंशी का समावेश था. इन गणमान्य व्यक्तियों ने संत निरंकारी मिशन के मानवता के प्रति निष्काम सेवाओं की सराहना की. सेवादल क्षेत्रीय संचालक जनार्दन म्हात्रे के अतिरिक्त सेक्टर संयोजक सर्वश्री किशन नेनवानी जगन्नाथ म्हात्रे ने उपस्थित रहकर रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया. अंबरनाथ ब्रांच के मुखी नारायण सोनवणे की देखरेख में स्थानीय सेवादल युनिट के सहयोग से इस शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन यिका गया.

जिलाधिकारी कार्यालय ने जारी किए व्हाट्सएप नंबर

ठाणे. जिले के नागरिकों के लिए जिलाधिकारी कार्यालय में व्हाट्सएप के माध्यम से अपनी शिकायतें,समस्या एक व्हाट्सएप नंबर 9930001185 की घोषणा की जा रही है।इस नंबर पर व्हाट्सएप के माध्यम से शिकायत दर्ज कराते समय, शिकायत जिस विभाग से संबंधित है उसका नाम उचित रूप से लिखा जाना चाहिए और शिकायतकर्ता को अपना पूरा नाम, निवास का पता, ईमेल और मोबाइल नंबर भी बताना चाहिए।Aइस व्हाट्सएप पर अपनी शिकायत से संबंधित कोई भी अनावश्यक शुभकामना संदेश, फोटो, वीडियो या अन्य संदेश न भेजें। यह सुविधा कॉल करने के लिए नहीं, बल्कि केवल संदेशों के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए है। संदेशों के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर विचार किया जाएगा।जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने कहा कि शिकायतकर्ता को एक ही शिकायत बार-बार दर्ज नहीं करानी चाहिए। शिकायत तुरंत भेजी जानी चाहिए और उसका रिकॉर्ड रखा जाएगा।

रैपर-सिंगर बादशाह पहुंचे स्वामी प्रेमानंद की शरण में

- **पूछा- सत्य बोलने से रिश्ते-प्यार दूर होता है**
- **संत बोले- भगवान साथ देता है**

बॉलीवुड रैपर-सिंगर बादशाह वृंदावन में मशहूर संत स्वामी प्रेमानंद के आश्रम में पहुंचे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है। इसमें सिंगर बादशाह अपने सहयोगी के साथ स्वामी प्रेमानंद के सामने घुटनों पर बैठे हैं।

इस दौरान बादशाह एकटक संत को निहारते रहे, जबकि उनकी ओर से सहयोगी ने मन की दुविधा संत के सामने रखी। पूरे समय बादशाह शांत मुद्रा में बैठे दिखे और संत की बात को एकाग्र होकर सुनते रहे।

बता दें कि बादशाह का असली नाम आदित्य सिंह सिसौदिया है और उनकी जड़ें हरियाणा के करनाल जिले के गांव उचाना से जुड़ी हैं। बादशाह के गानों में उनका हरियाणा प्रेम झलकता है। हिट गीत बावला में उन्होंने झज्जर के गांव डावला का जिक्र किया है।

गाने के बोल हैं- झाझर ते परे नै इक रैया डावला, मेरे पिता ने जुल्म करया वर ढूंढा बावला। इस गाने को लेकर बादशाह कानूनी पचड़े में भी फंसे हैं। करनाल के कॉमर्शियल कोर्ट में केस लंबित है।

महारक्तदान शिविर में 507 लोगों ने किया रक्तदान

पिछले 6 वर्षों से महारक्तदान शिविर का आयोजन

- **रक्तदाताओं को मिला 10 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा**

भिवंडी. भिवंडी शहर में एकता के राजा के रूप में प्रतिष्ठित धामनकरनाका मित्र मंडल, सार्वजनिक गणेशोत्सव के दौरान विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है. धामनकर नाका मित्र मंडल संस्थापक अध्यक्ष संतोष शेट्टी की अवधारणा के तहत पिछले 6 वर्षों से गणेशोत्सव के दौरान महारक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है. रक्तदान शिविर मुंबादेवी ब्लड एंड थैलेसीमिया डे केयर सेंटर के सहयोग से किया गया. शिविर का उद्घाटन संतोष शेट्टी ने किया.रक्तदान शिविर में 507 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया. रक्तदाताओं को धामनकर नाका मित्र मंडल द्वारा भारतीय डाक विभाग की ओर से 10 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा प्रदान कर गौरव किया गया.

उक्त अवसर पर मंडल प्रमुख पदाधिकारी हसमुख पटेल, दिलीप पोद्दार, मोहन बल्लेवार, राकेश पटवारी, चंद्रकांत हेगड़े, फूलसिंह सोलंकी, सूरज भागवत और भिवंडी वॉरियर्स ग्रुप के सैनिक साथी उपस्थित थे.

गौरतलब हो कि, रक्तदान शिविर में भारतीय सेना के सैनिकों और पूर्व सैनिकों ने रक्तदान किया.पुरुषों के साथ ही महिलाओं ने भी रक्तदान में बड़ी संख्या में भाग लिया. संतोष शेट्टी ने कहा कि, सरकार की कई कल्याणकारी योजनाएं आम लोगों तक नहीं पहुंच पाती हैं.मंडल द्वारा ऐसी तमाम जानकारियों के फलक गणेश दर्शन हेतु आने वाले भक्तों की जागरूकता हेतु लगाए गए हैं. रक्तदान शिविर के माध्यम से मंडल ने जहां रक्तदाताओं के लिए दुर्घटना बीमा निकाल कर डाकघर में बैंक खाता खोलकर बचत के लिए रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया गया है.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099